मेवाड़ विश्वविद्यालय में बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर कार्यशाला का आयोजन

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के डिजाईन एवं पेटेन्ट विभाग के असिस्टेन्ट कन्ट्रोलर डॉ. जितेन्द्र शर्मा ने दिया प्रशिक्षण

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़/गंगरार(अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के डिजाईन एवं पेटेन्ट विभाग के असिस्टेन्ट कन्ट्रोलर डॉ. जितेन्द्र शर्मा ने बतौर प्रशिक्षक बौद्धिक सम्पदा अधिकार के विभिन्न आयामो पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने पेटेन्ट, डिजाईन, ट्रेडमार्क, कॉपीराईट और ट्रेड सिक्रेट के बीच अन्तर को स्पष्ट करते हुए बताया कि हम जाने अनजाने किसी की बौद्धिक सम्पदा को अपना बता कर उपयोग कर लेते हैं जो कि कानूनन अपराध है, हमें इससे बचना चाहिए। इसके लिए हमें इन अधिकारों से सम्बन्धी कानूनों के बारे में ठीक से पढ़ना एवं जानना चाहिए। साथ ही उन्होने यह भी बताया कि कैसे हम अपनी बौद्धिक सम्पदा को पंजीकृत करवा सकते हैं, जिससे कि कोई और इसका दुरूपयोग ना कर सके। विद्यार्थियों को उन्होने पेटेन्ट के बारे बताते हुए कहा कि पेटेन्ट किसी तकनीक का होता है। पेटेन्ट के लिए कुछ शर्तों के बारे में भी उन्होने बताते हुए कहा कि उन्हीं तकनीको का पेटेन्ट हो सकता है जो एकदम से नई हो, जिसका पहले कहीं इस्तेमाल न हुआ हो, जिसे व्यावसायिक उपयोग में लाया जा सके, जिसका कोई सामाजिक नुकसान न हो। इसलिए विद्यार्थी, समाज में दिख रही समस्या के समाधान के लिए कोई न कोई तकनीक विकसित करने के बारे में सोचे, एक बार तकनीक विकसित कर लेने के बाद उसका पेटेन्ट अवश्य कराएं। उन्होनें कहा की पेटेन्ट कराने के लिए किसी भी डिग्री की आवश्यकता या उम्र की कोई शर्त नहीं होती है। इसी तरह उन्होनें कॉपीराईट, ट्रेडमार्क, ट्रेड सिक्रेट, इण्डस्ट्री डिजाईन, एस आई सी एल डी आर और ज्योग्राफिकल इण्डिकेटर के बारे में जानकारियाँ देते हुए कहा कि हम अपनी रचनाएं, अपनी कम्पनी का लोगो, किसी खास तरह की विकसित गई नई डिजाईन, विकसित की गई नई इलेक्ट्रोनिक चिप, अपनी ट्रेड सिक्रेट को बौद्धिक सम्पदा अधिकार की वेबसाईट पर पंजीकृत करवा सकते हैं। इसके पहले कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वन्दना एवं कुलगीत से हुई तथा समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। अतिथि का स्वागत संयुक्त कुलसचिव लक्ष्मण सिंह रावत ने किया। संचालन डॉ. गंगा बिस्वा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक कपिल नाहर ने किया। इस अवसर पर दिनेश कुमार, सुनील कुमार कथेरिया, दीपक कुमार जोशी, शशिवेन्द्र दुलावत, निरमा कुमारी शर्मा सहित विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

11.6.2022

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के डिजाईन एवं पेटेन्ट विभाग के असिस्टेन्ट कन्ट्रोलर डॉ. जितेन्द्र शमा ने दिया प्रशिक्षण

मेवाड़ विश्वविद्यालय में बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर कार्यशाला का आयोजन

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़/गंगरार मेवाड़ विश्वविद्यालय में बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के डिजाईन एवं पेटेन्ट विभाग के असिस्टेन्ट कन्ट्रोलर डॉ. जितेन्द्र शर्मा ने बतौर प्रशिक्षक बौद्धिक सम्पदा अधिकार के विभिन्न आयामो पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने पेटेन्ट, डिजाईन, ट्रेडमार्क, कॉपीराईट और ट्रेड सिक्रेट के बीच अन्तर को स्पष्ट करते हुए बताया कि हम जाने अनजाने किसी की बौद्धिक सम्पदा को अपना बता कर उपयोग कर लेते हैं जो कि कानूनन अपराध है, हमें इससे बचना चाहिए। इसके लिए हमें इन अधिकारों से सम्बन्धी कानूनों के बारे में ठीक से पढ़ना एवं जानना चाहिए। साथ ही उन्होने यह भी बताया कि कैसे हम अपनी बौद्धिक सम्पदा को पंजीकृत करवा सकते हैं, जिससे कि कोई और इसका दुरूपयोग ना कर सके। विद्यार्थियों को उन्होने पेटेन्ट के बारे बताते हुए कहा कि पेटेन्ट किसी तकनीक का होता है। पेटेन्ट के लिए कुछ शर्तो के बारे में भी उन्होने बताते हुए कहा कि उन्हीं तकनीको का पेटेन्ट हो सकता है जो एकदम से नई हो, जिसका पहले कहीं इस्तेमाल न हुआ हो, जिसे व्यावसायिक उपयोग में लाया जा सके, जिसका कोई सामाजिक नुकसान न हो। इसलिए विद्यार्थी, समाज में दिख रही समस्या के समाधान के लिए कोई न कोई तकनीक विकसित करने के बारे में सोचे, एक बार तकनीक विकसित कर लेने के बाद उसका पेटेन्ट अवश्य कराएं। उन्होनें कहा की पेटेन्ट कराने के लिए किसी भी डिग्री की आवश्यकता या उम्र की कोई शर्त नहीं होती है। इसी तरह उन्होनें कॉपीराईट, ट्रेडमार्क, ट्रेड सिक्रेट, इण्डस्ट्री डिजाईन, एस आई सी एल डी आर और ज्योग्राफिकल इण्डिकेटर के बारे में जानकारियाँ देते हुए कहा कि हम अपनी रचनाएं, अपनी कम्पनी का लोगो, किसी खास तरह की विकसित गई नई डिजाईन, विकसित की गई नई इलेक्ट्रोनिक चिप, अपनी ट्रेड सिक्रेट को बौद्धिक सम्पदा अधिकार की वेबसाईट पर पंजीकृत करवा सकते हैं। इसके पहले कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वन्दना एवं कुलगीत से हुई तथा समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। अतिथि का स्वागत संयुक्त कुलसचिव लक्ष्मण सिंह रावत ने किया। संचालन डॉ. गंगा बिस्वा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक कपिल नाहर ने किया। इस अवसर पर दिनेश कुमार, सुनील कुमार कथेरिया, दीपक कुमार जोशी, शशिवेन्द्र दुलावत, निरमा कुमारी शर्मा सहित विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। 11.6.2022